रंगमोहल उतर दिशा की शोभा

पुखराज पहाड़

पचिम की धाटी, उतर की धाटी , दक्षिण की नहेर

पुखराज पहाड़

- पचिम की धाटी
- उत्तर की धाटी
- दक्षिण की नहेर

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के ।।

परमधाम विहार

कृष्ण पक्ष (वद)	
अष्टमी	पुखरज पहाड़ की तलहटी
नवमी	पुखरज पहाड़ की हजार हांस की चादनी
दसमी	पुखरज पहाड़ का आकाशी महल
एकादशी	बंगलजी – पुखराजी ताल
द्वादशी	बंगलाजी
त्रयोदशी	अधबीच का कुण्ड'
चतुदर्शी	ढपो चबूतर , मूल कुण्ड

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा – पुखराज पहाड़ की शोभा

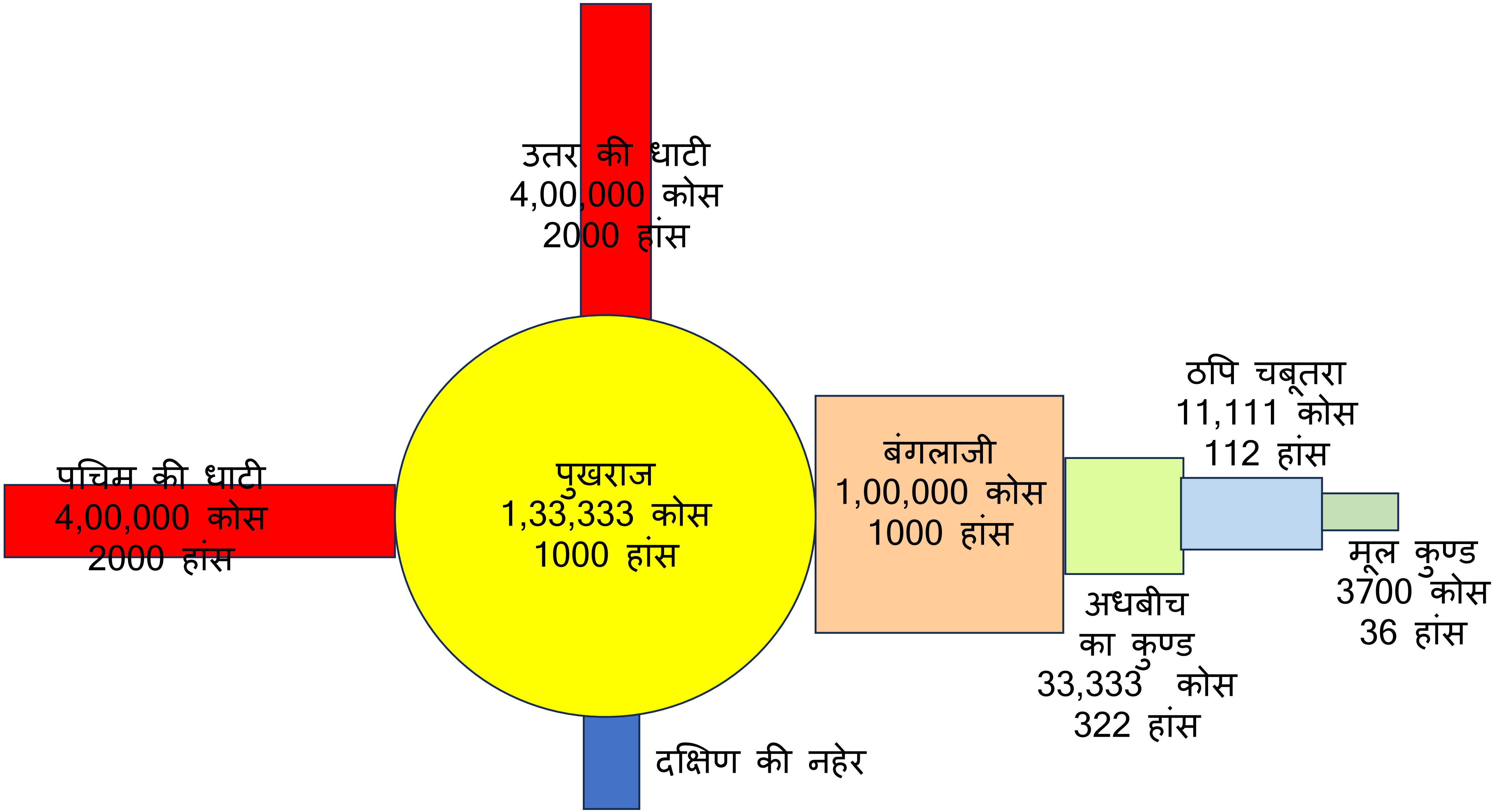

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा – पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

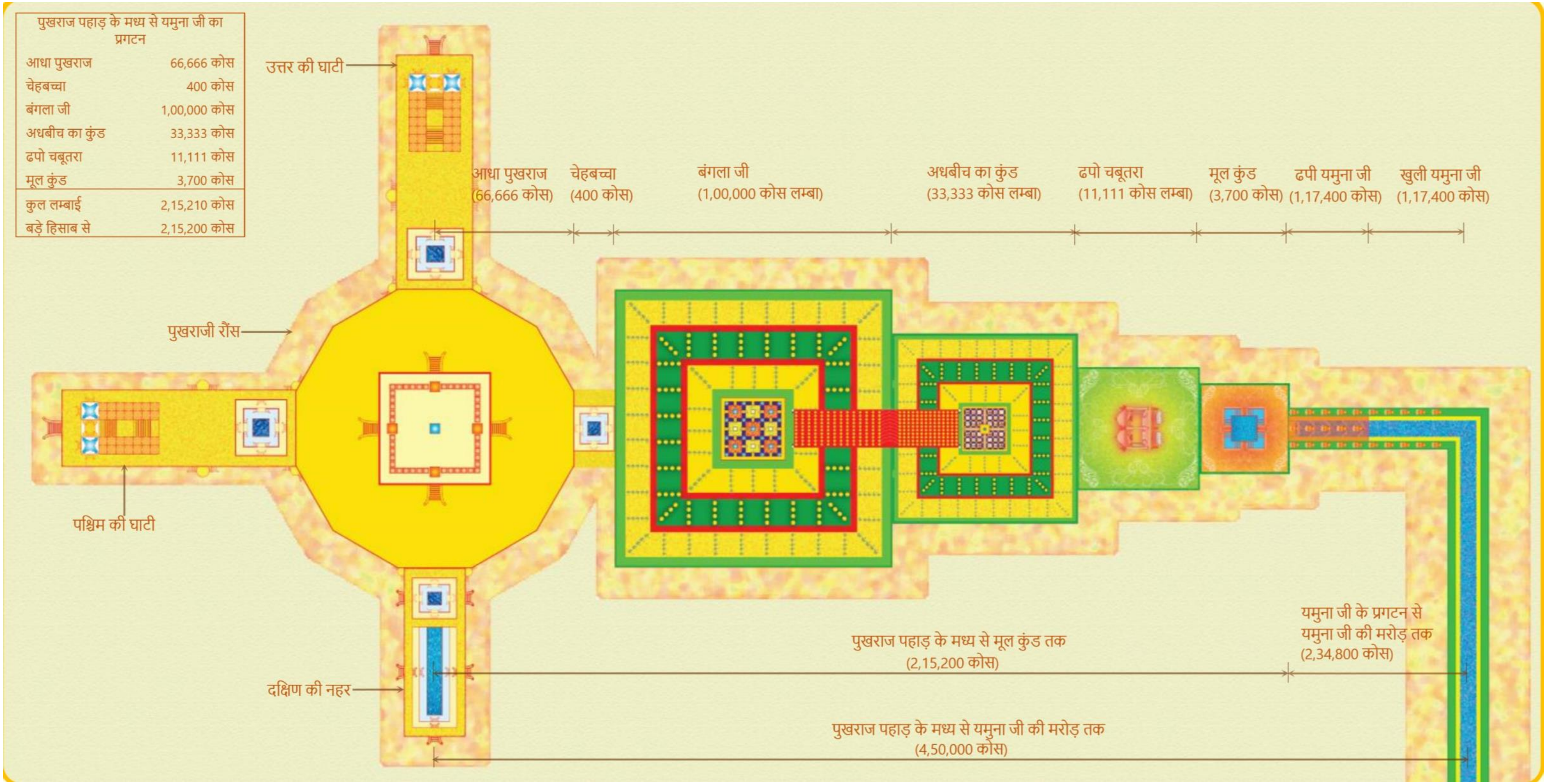

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा– पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

- ➢ पुखराज पहाड़
- ✓ पश्चिम की धाटी
- ✓ उतर की धाटी
- ✓ दक्षिण की नहेर
- ➢ बंगलाजी
- ➢ अधबीच का कुण्ड
- ➢ ढपो चबूतरा
- ➢ मूल कुण्ड

गिरद मोहोल बराबर, तरफ तले संकड़ा ।
मोहोल बढ़ते बराबर, चढ़ते अति चौड़ा ।।५।।

खूबी इन पहाड़ की, ऊँचा माहें आकास ।
कई मोहोल बैठक रोसनी, ज्यों रोसन धाम प्रकास ।।११।।

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा – पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

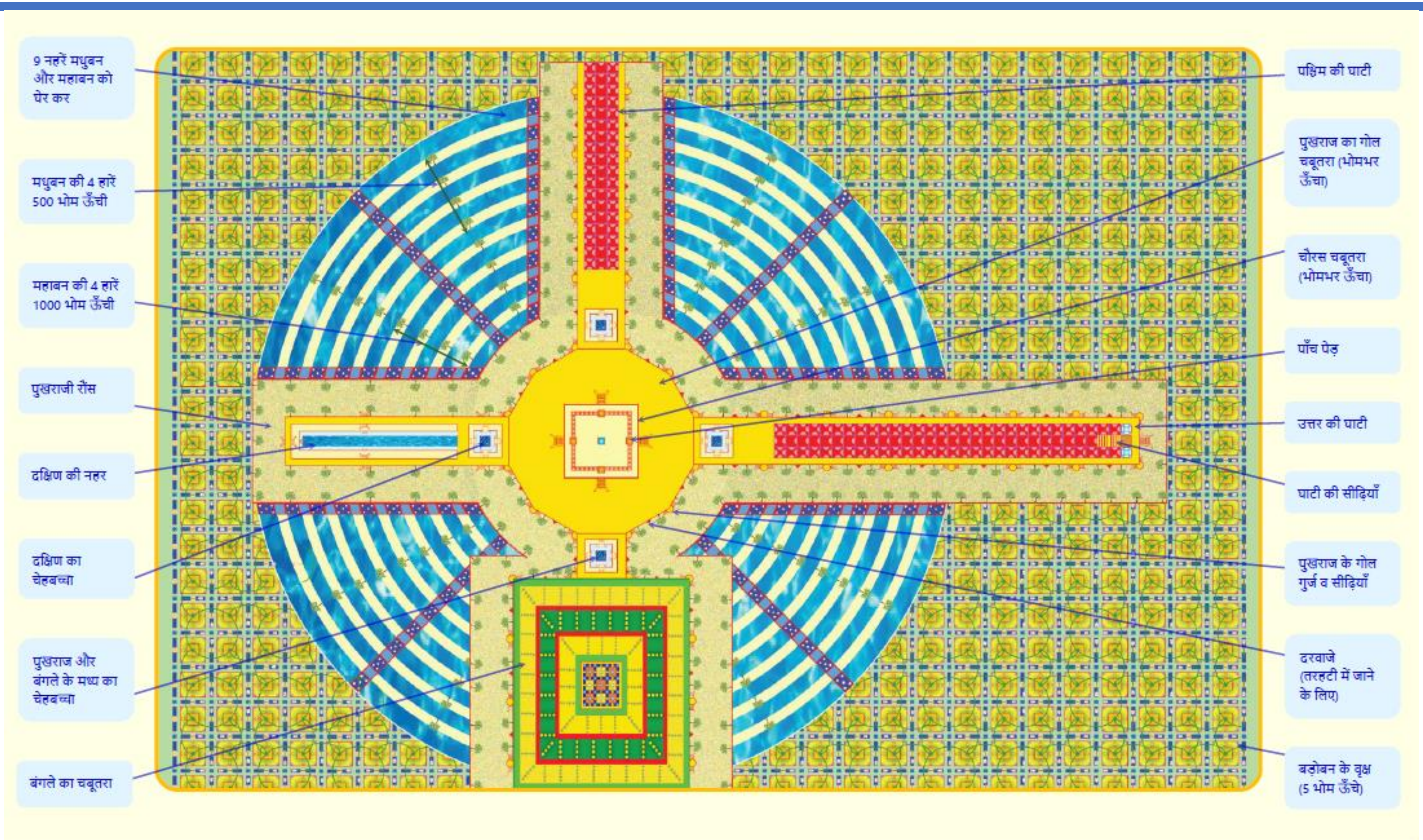

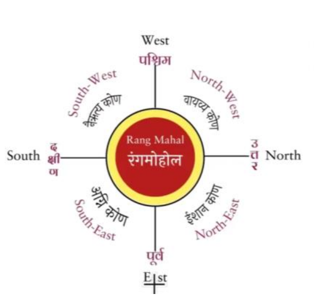

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा – पचिम & उतर की धाटी की शोभा

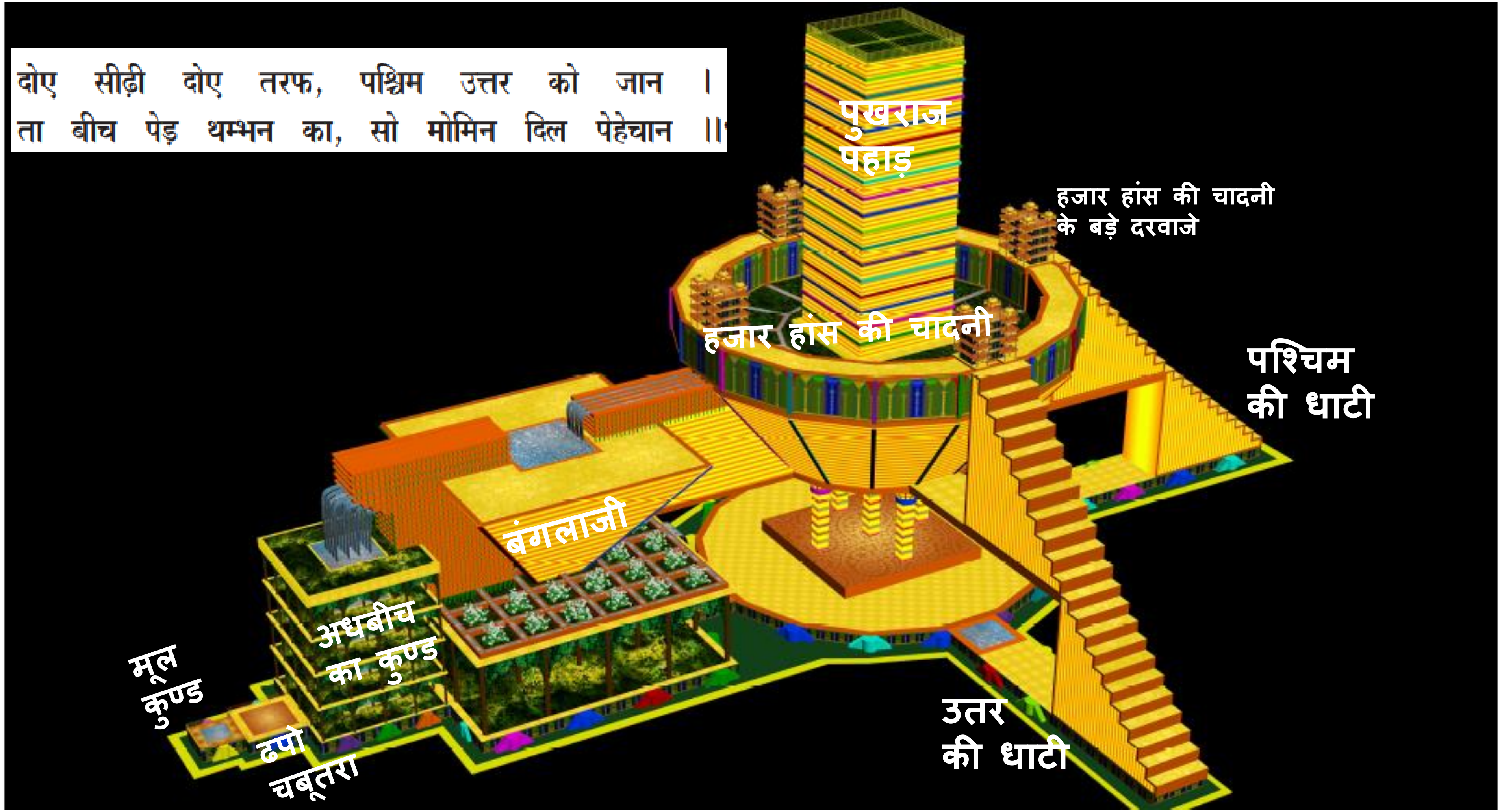

पश्चिम & उतर की धाटी

4 लाख कोस लम्बा , 400 कोस चौड़ा

- चबूतरा – 2000 हांस
- गुर्जे & सीडियाँ
- तलहटी
  - नहेर – 100 कोस
  - सीडियों की रोंस – 50 कोस
  - जल की रोंस – 50 कोस
- धाटी का चबूतरा & चोक
- धाटी की सीडियाँ – 100 कोस
- महल & मंदिर – 110 कोस
- छज्जा – 40 कोस

तले छे जुदे रहे, ऊपर पहाड़ मोहोल एक ।
और दोए कही जो घाटियां, भए आठ ऊपर इन विवेक ॥४९॥

दोऊ सीढ़ियों के सिरे पर, दोए दरवाजे बुजरक ।
दोऊ तरफों दो दिवालें, सो भी वाही माफक ॥५२॥

पूखराज पहाड़ - पचिम & उतर की धाटी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

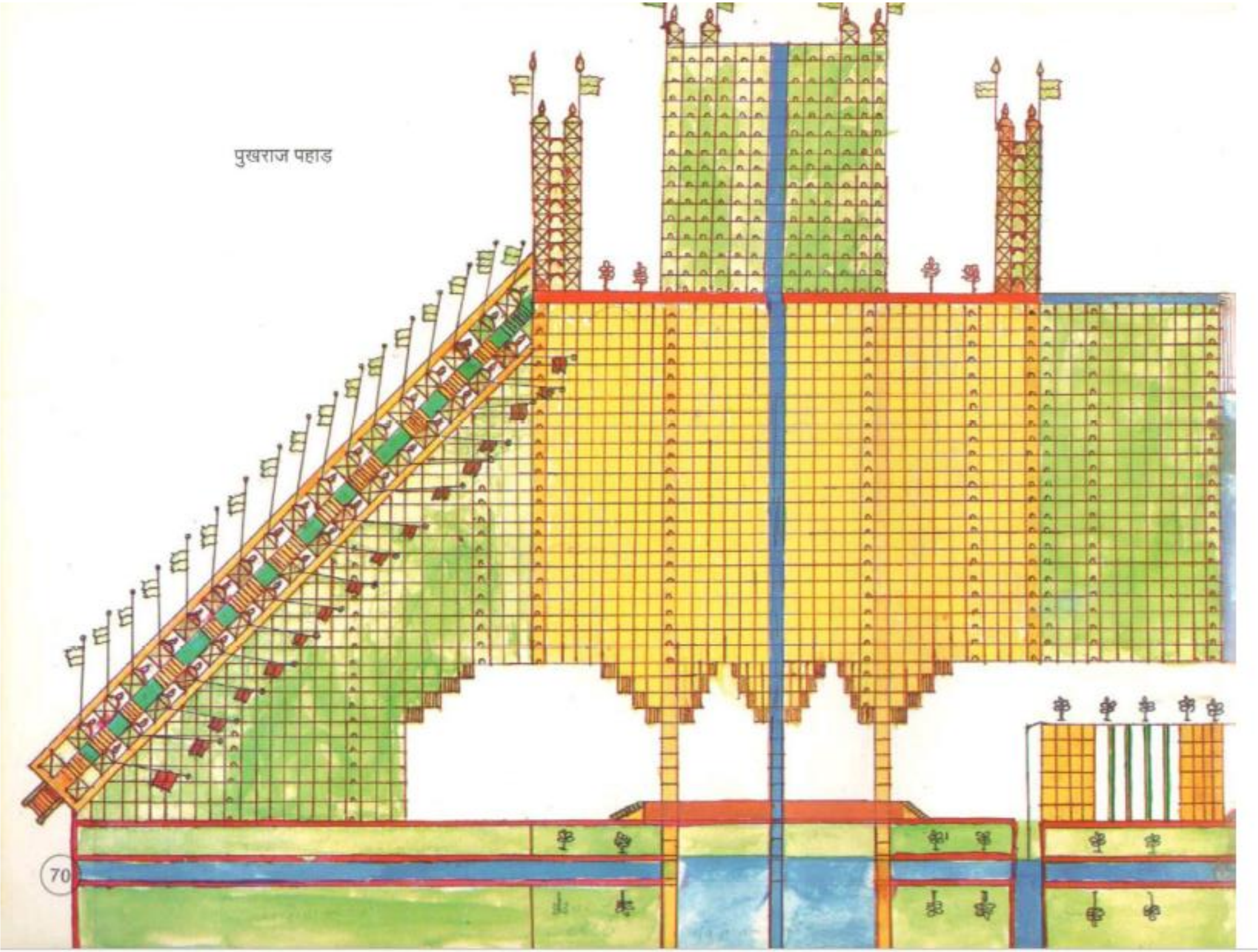

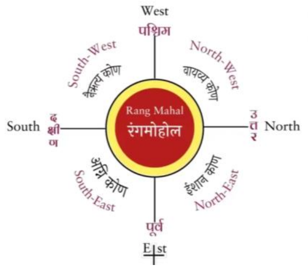

पूखराज पहाड़ - पचिम & उतर की धाटी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

पूखराज पहाड़ - पचिम & उतर की धाटी की शोभा

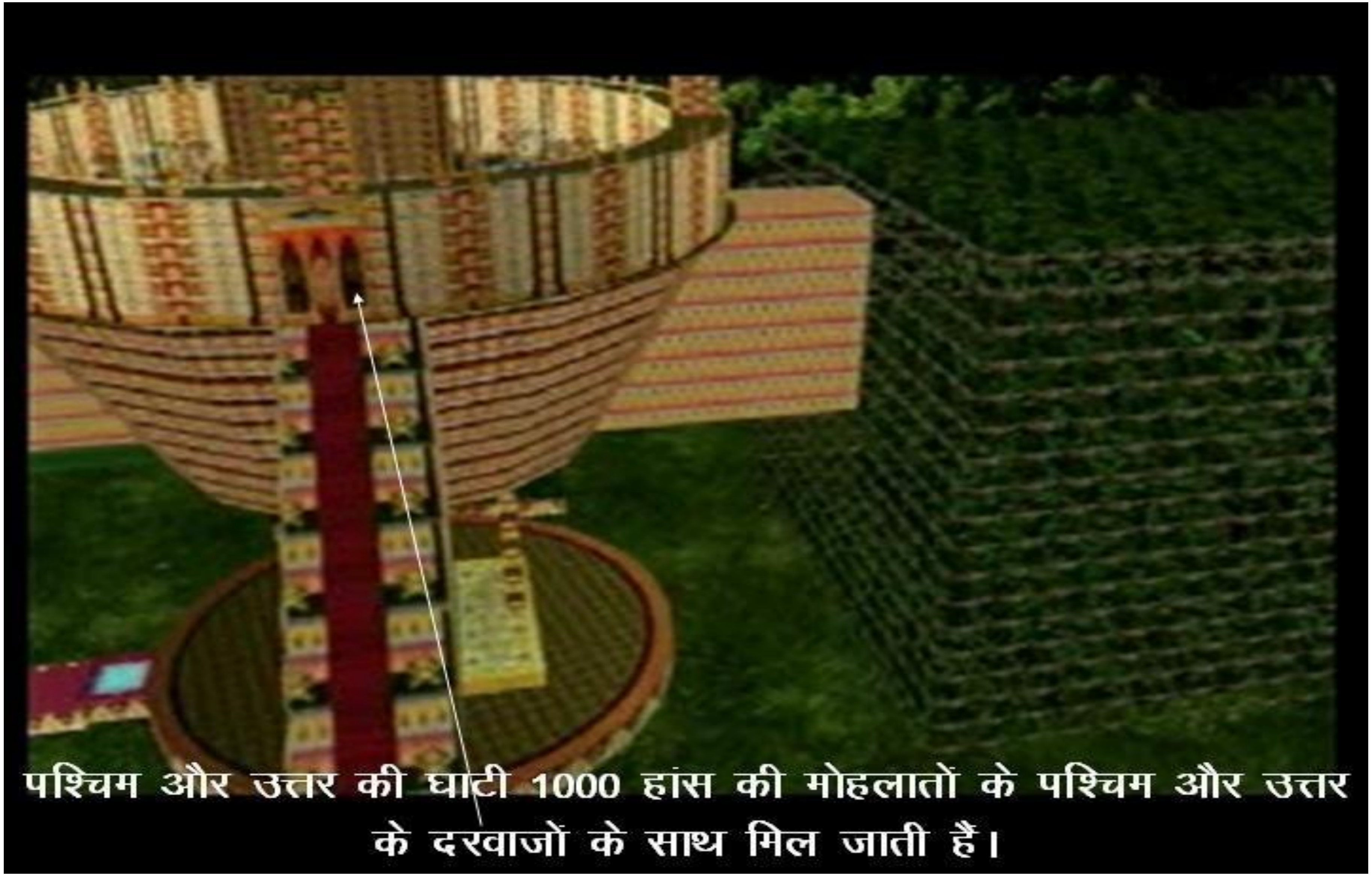

पूखराज पहाड़ - पचिम & उतर की धाटी की तलहटी

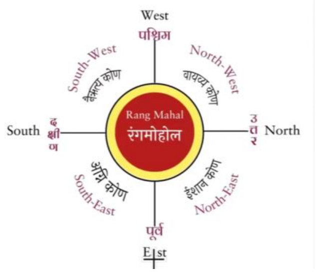

पूखराज पहाड़ - पचिम & उतर की धाटी की तलहटी

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

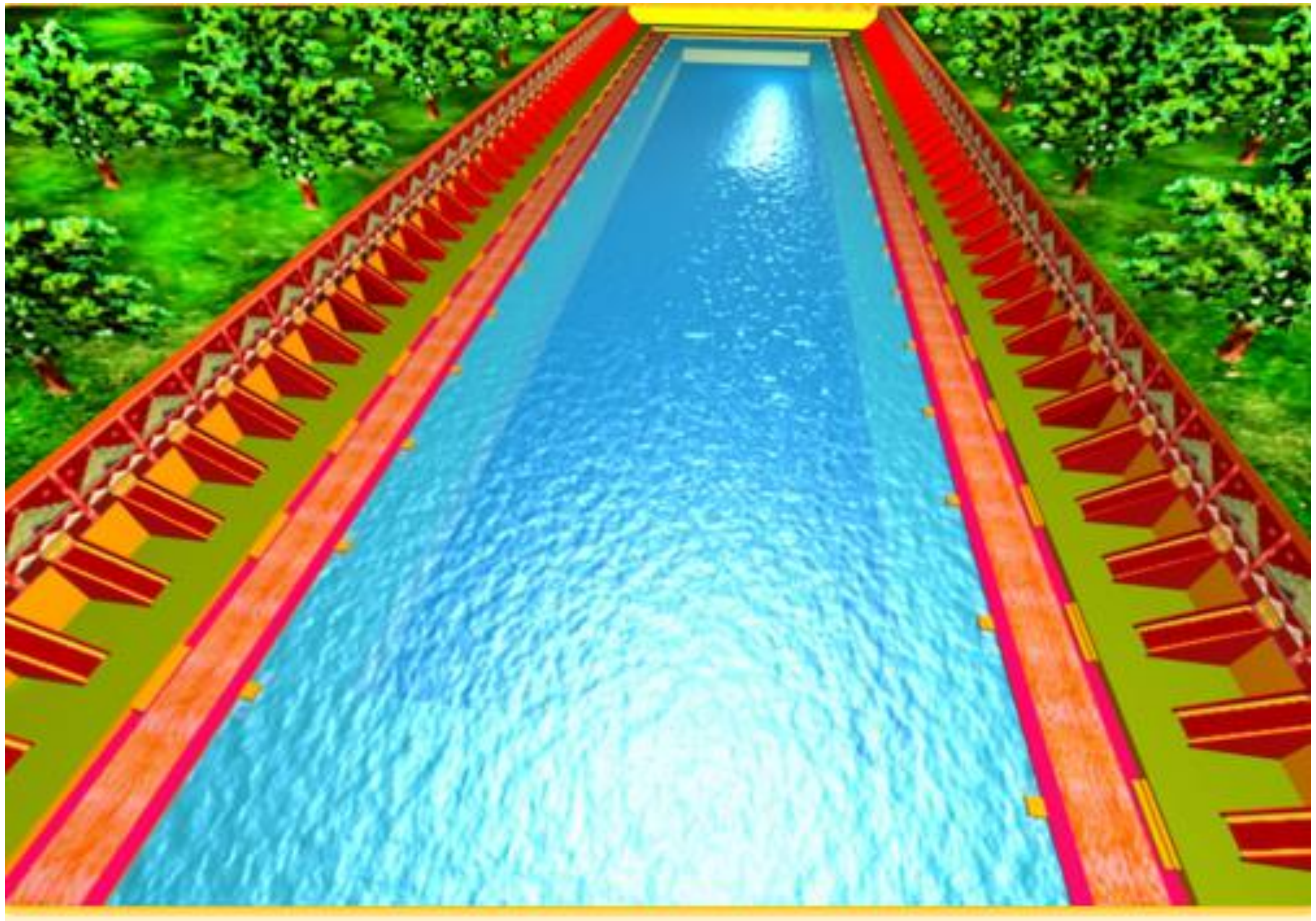

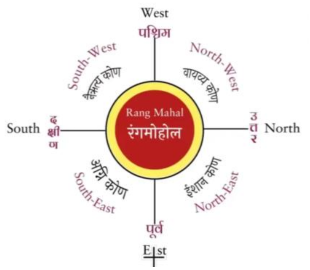

पूखराज पहाड़ - पचिम & उतर की धाटी की तलहटी

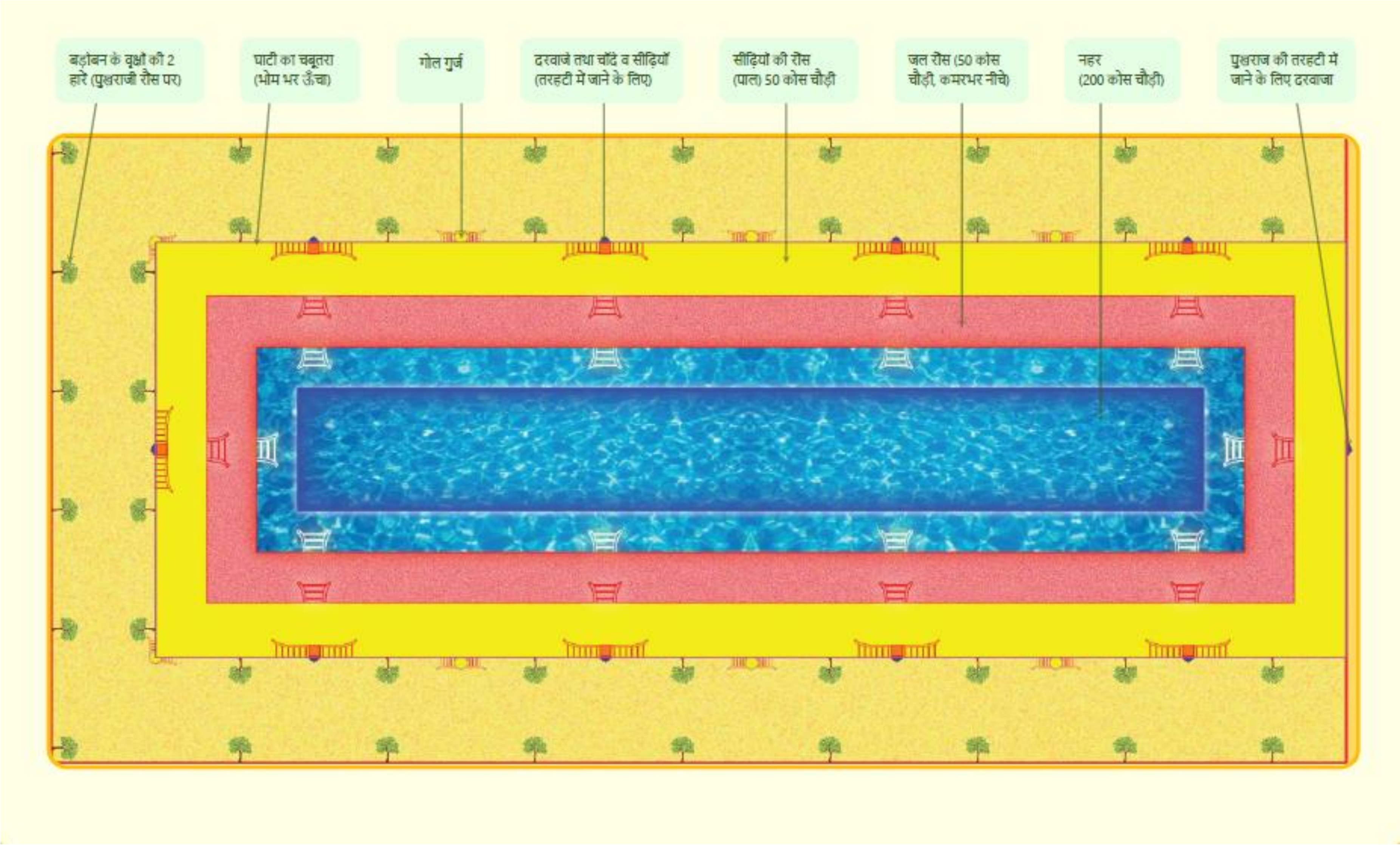

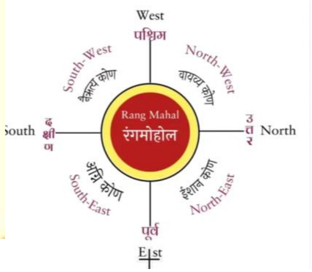

भोम्भर की सीढ़ी चढ़कर चौक में आ गये जिसके आगे एक हांस की लम्बाई है
और 400 कोस की चौड़ाई है। 40–40
पुखरजी रोंस
धाटी का चबूतरा
कोस की दो रोंस छोड़कर बीच में 320 की जगह बची, इस जगह चौड़ाई तरफ 29
और लम्बाई तरफ 36 मन्दिर आये हैं। यह एक हांस का बेवरा है।

West
पश्चिम
North-West
South-West
South
North
Rang Mahal
रंगमोहोल
South-East
North-East
पूर्व
East

पूखराज पहाड़ - पचिम & उतर की धाटी की शोभा

इन सीढ़ियों चढ़े पुखराज पर, तले दोनों के दो बड़े द्वार ।
तिन आगे दोए चबूतरे, तहां से चढ़ते करें बिहार ।।११।।

पूखराज पहाड़ - पचिम & उतर की धाटी की शोभा

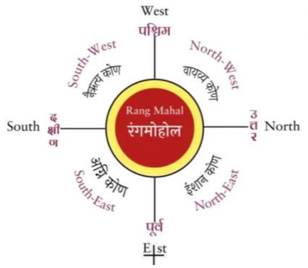

दोए चबूतरे दरम्यान के, जब चढ़िए सीढ़ी पर ।
दोए बाजू दिवाल चढ़ी, बने तापर मंदिर ॥१२॥

यूं दोए बाजू हर सीढ़ी, दिवाल छज्जे मोहोल जान ।
अव्वल कहूं तले की, मोमिन करो पेहेचान ॥

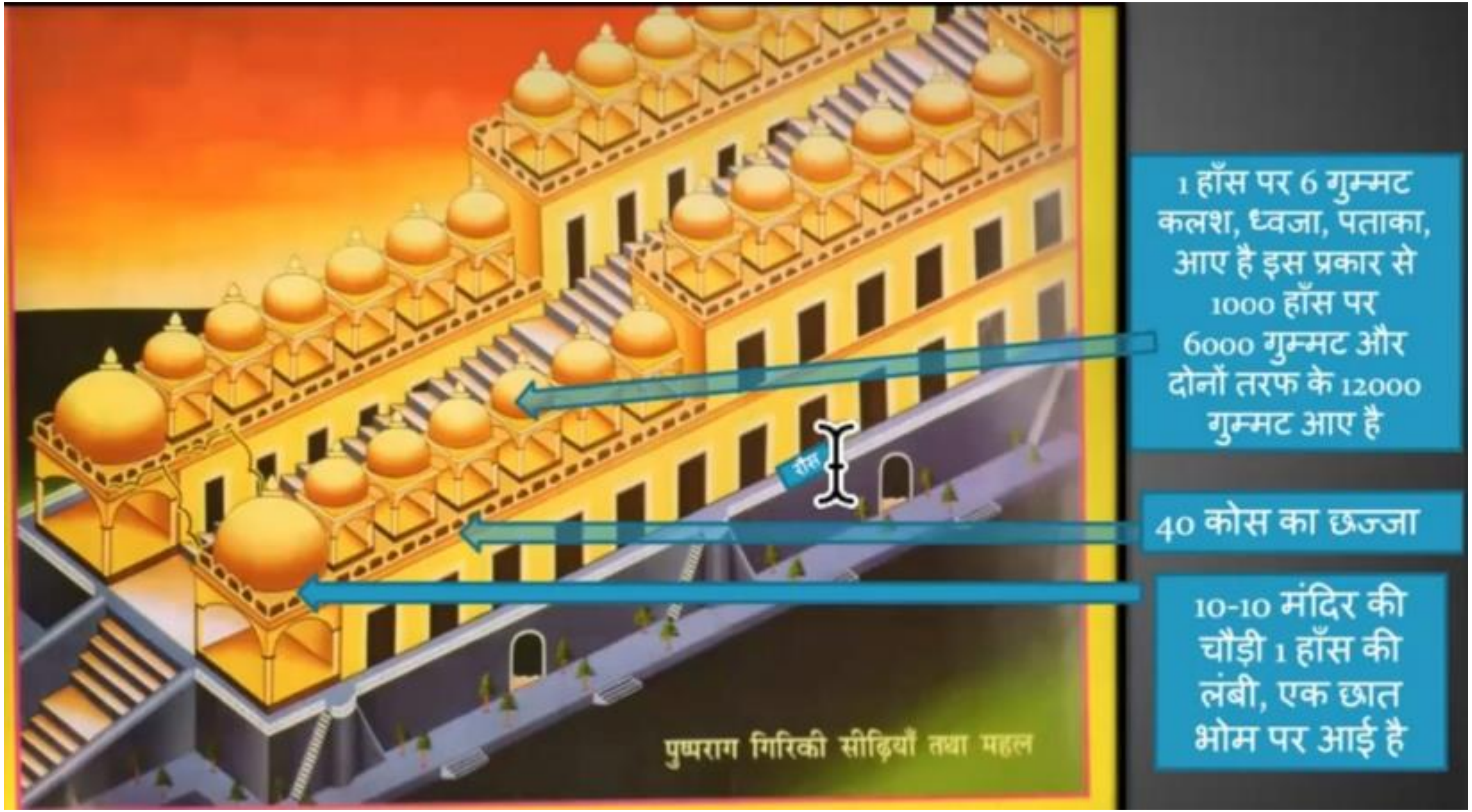

एक दिवाल सीधी चढ़ी, एक हांस भर कही सोए ।
तामे मोहोल पोरी बनी, ताके छज्जे पुखराज तरफ होए ।।

दोए बाजू मोहोल बने, ताके छज्जे दोनों तरफ ।
ए कहुं सीढ़ियों के अन्दर, कह्यो जाए ना एक हरफ ।।

पूखराज पहाड़ - पचिम & उतर की धाटी की शोभा (1 हांस)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

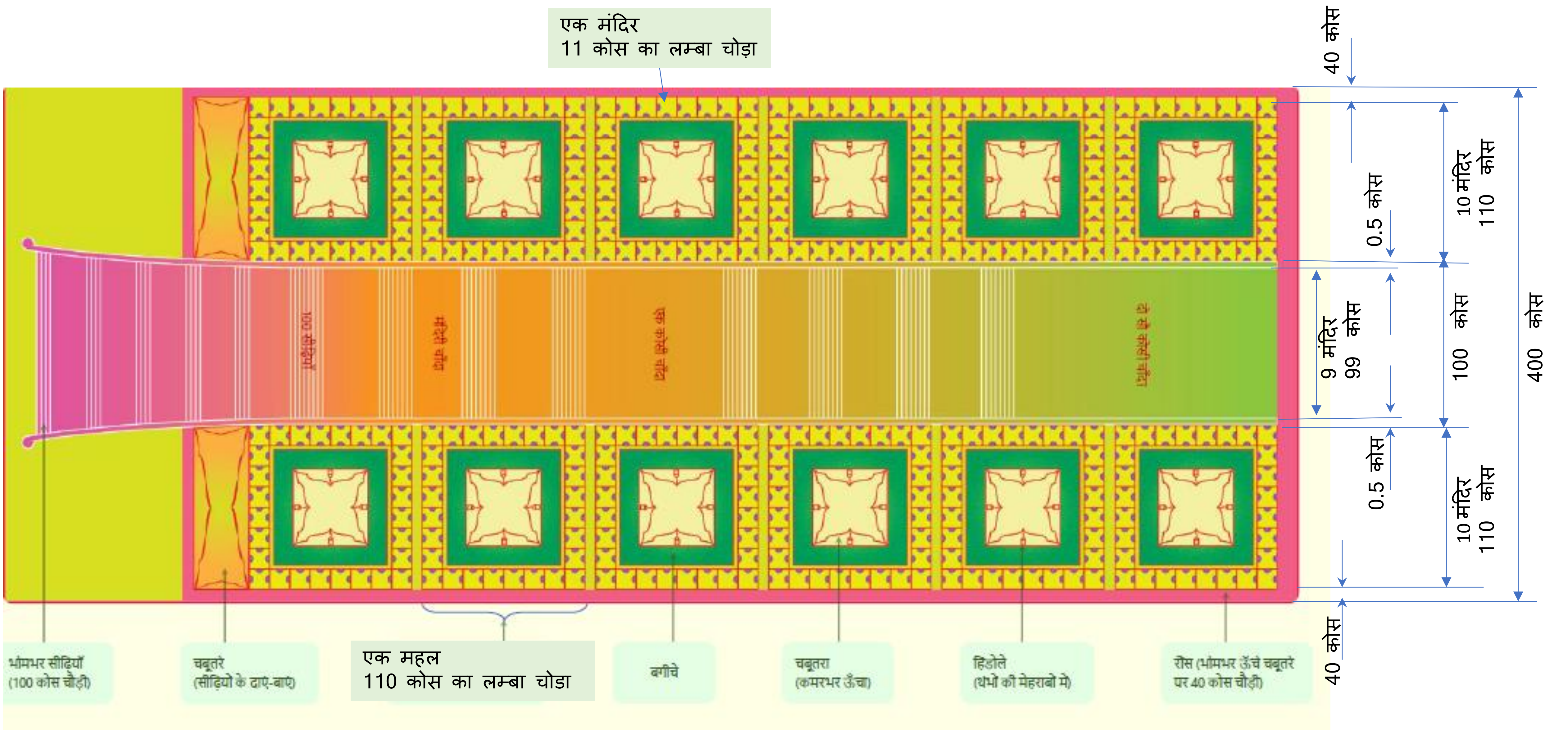

पूखराज पहाड़ - पचिम & उतर की धाटी की शोभा (1 हांस)

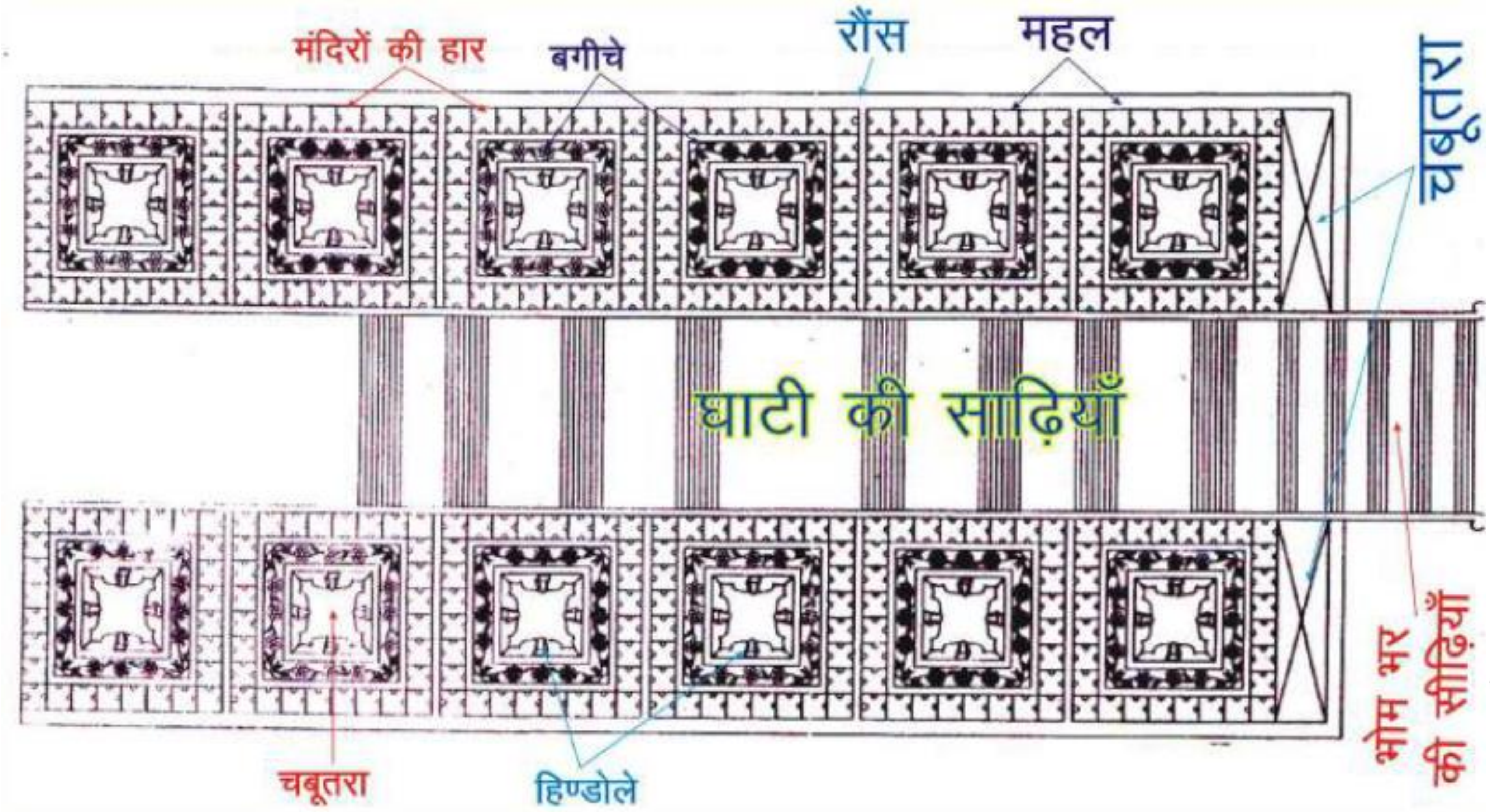

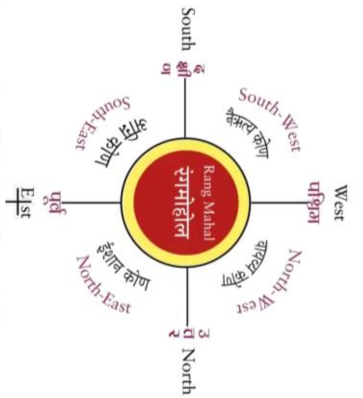

हजार हांस की चादनी

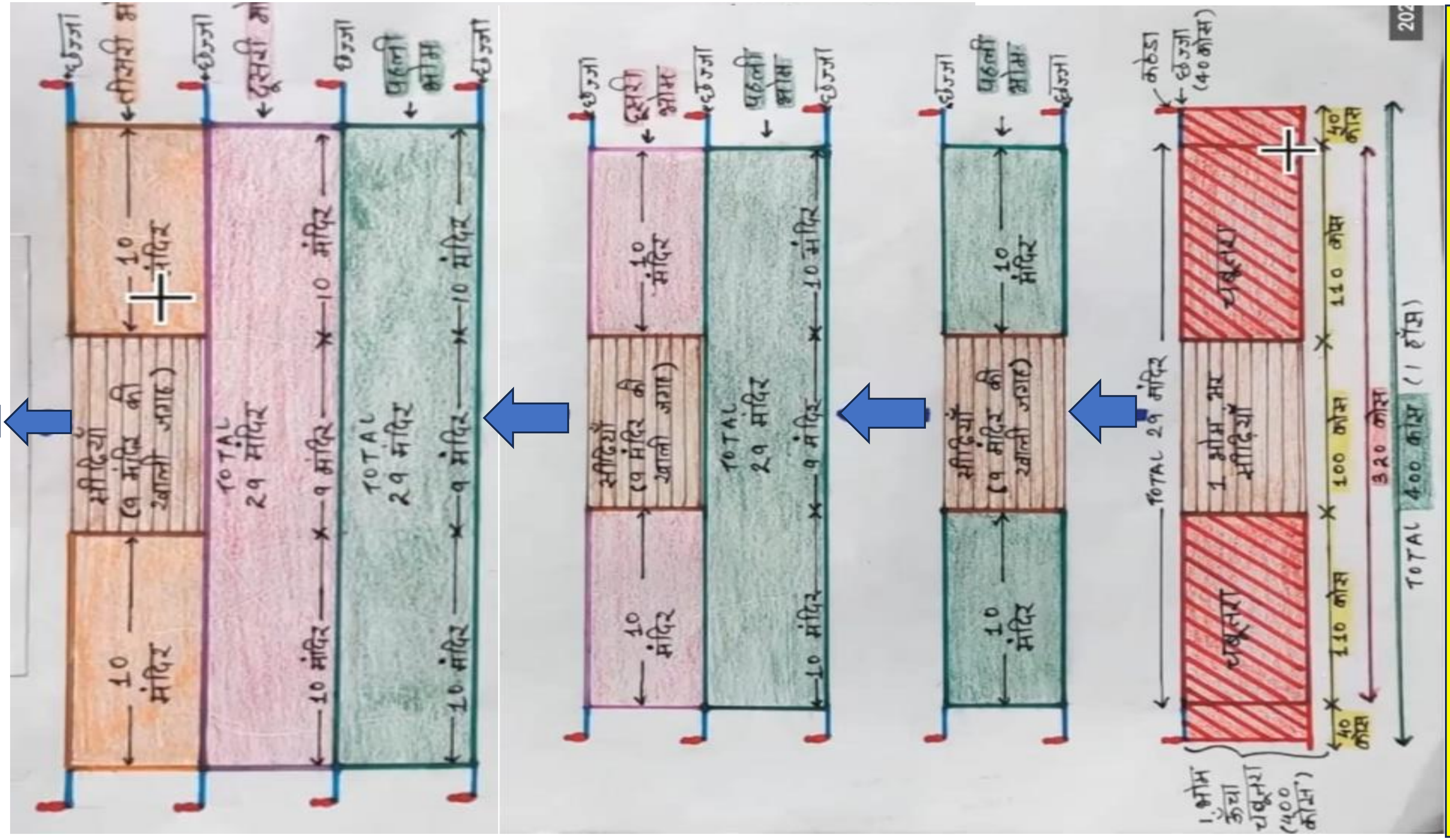

पुखराजी रोंस

पूखराज पहाड़ - पचिम & उतर की धाटी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

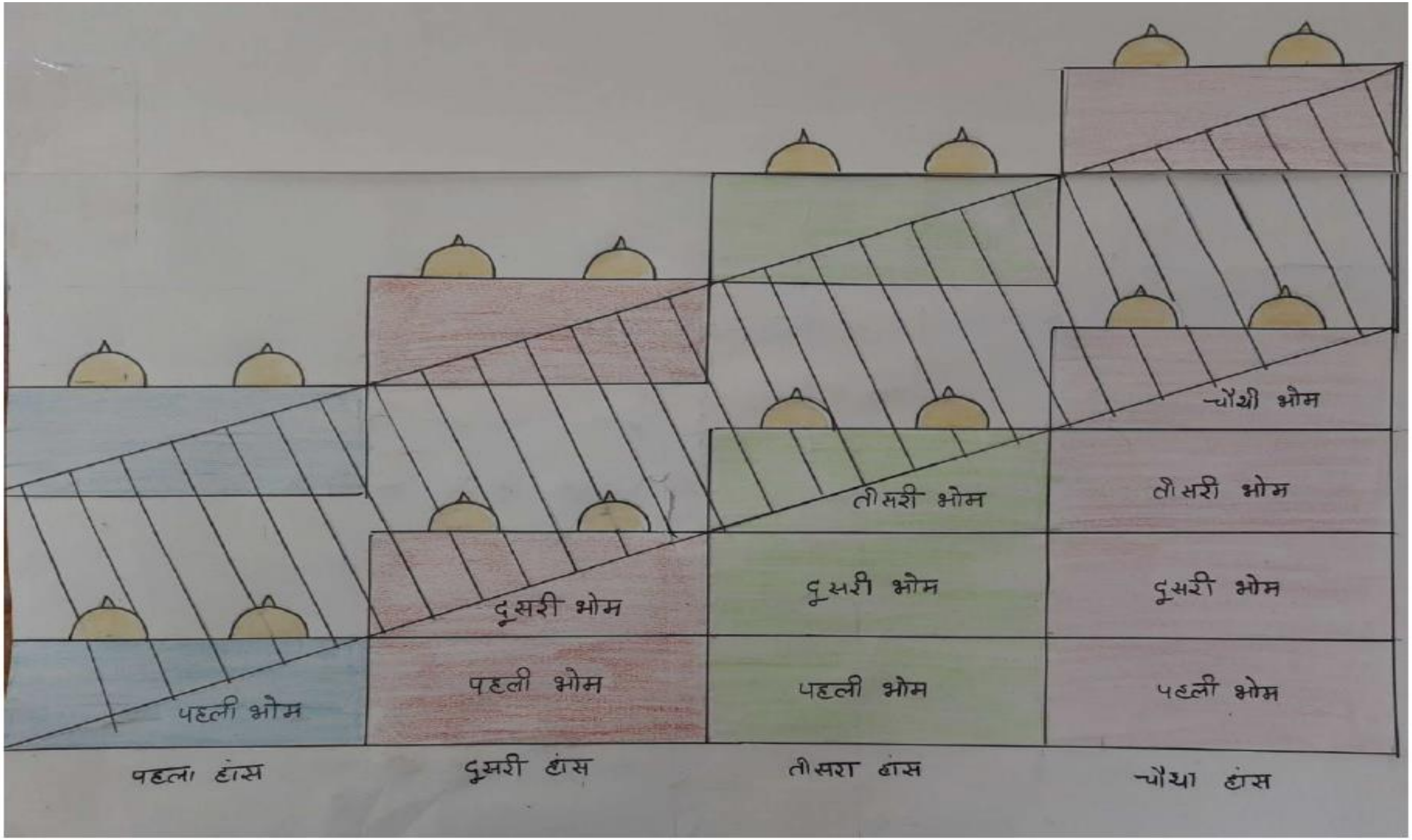

पूखराज पहाड़ - पचिम & उतर की धाटी की सीडियों की 1 हांस की शोभा

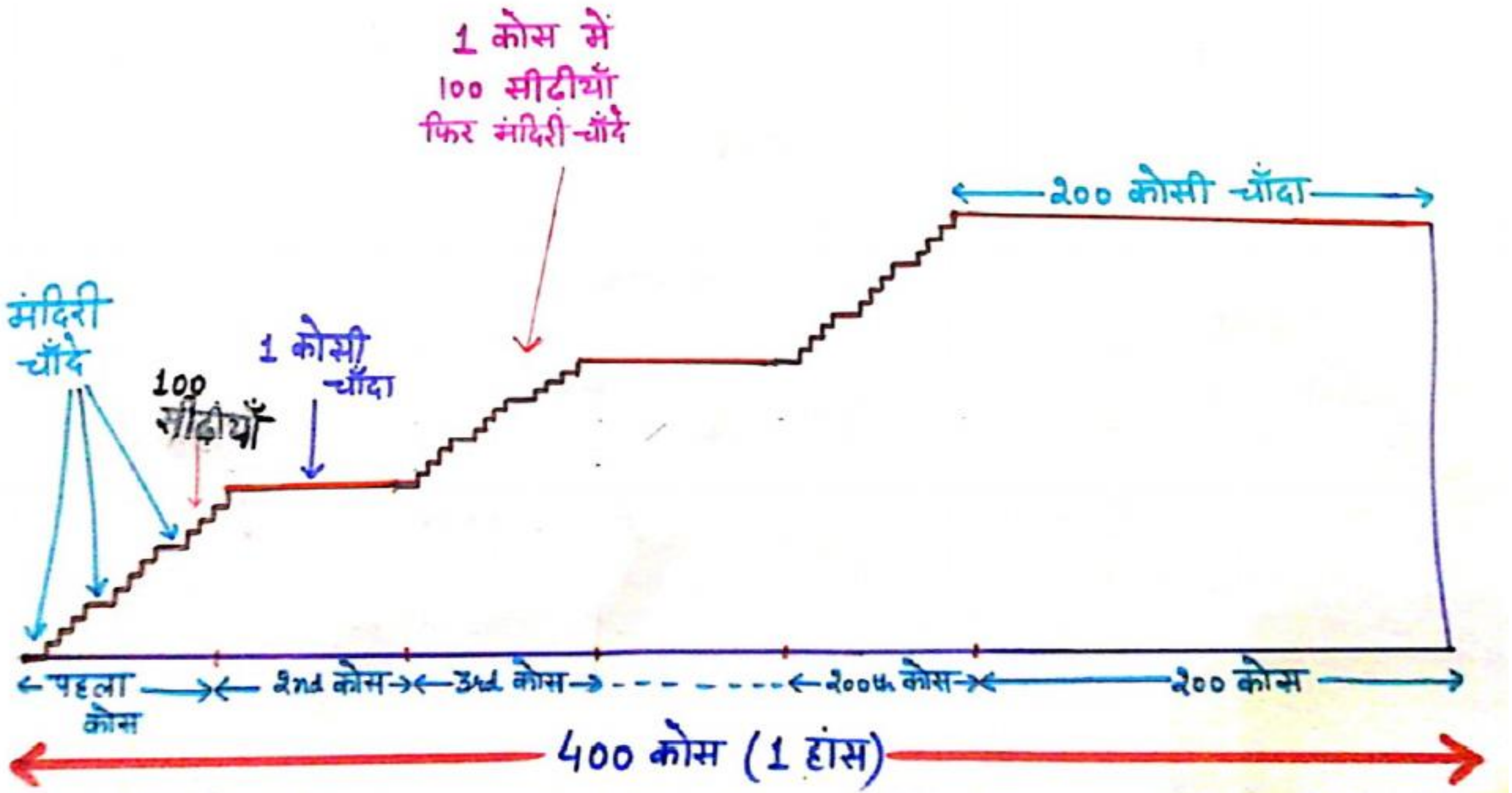

पुखराज पहाड़ की पश्चिम तथा उत्तर की घाटी के एक हाँस में आई सीढ़ियों और चांदों की शोभा

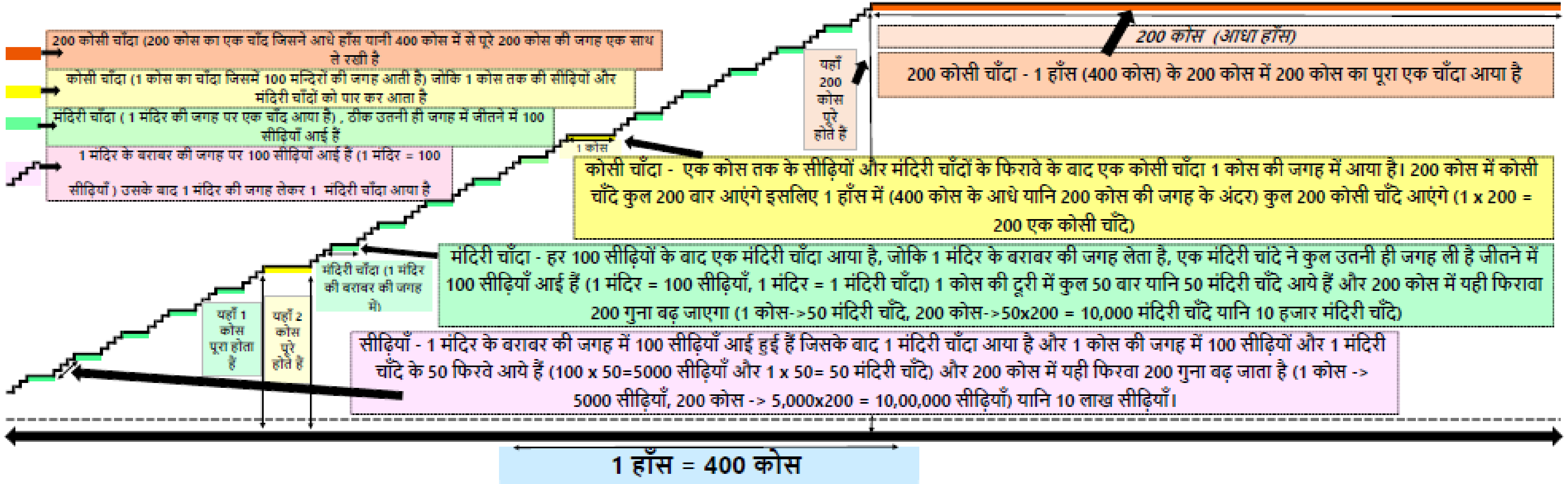

यहाँ सीढ़ियों और मंदिरी चाँदे की माप के लिए जिन मन्दिरों का वर्णन हुआ है वो रंगमहल के मन्दिरों की बराबर (100 हाँथ) की माप है
यहाँ इसका केवल माप के लिए प्रयोग किया गया है अन्यथा पुखराज पहाड़ में जो मंदिर स्थित हैं उनकी एक मंदिर की माप 11 कोस की है

1 हाँस = 400 कोस की जगह में कुल (जिसमें 10,00,000 सीढ़ियाँ, 10,000 मंदिरी चाँदे, 200 एक कोसी चाँदे और एक 200 कोसी का एक चाँदा आया है) यही क्रम 1,000 हाँस यानि 4,00,000 कोस तक आया है। सीढ़ियों के उतार-चढ़ाव ने त्रिकोण में जो जगह ली है उसको भी माप करने पर 6,00,000 कोस हो जाता हैं।

महलों की छत पर गुम्मटें
घाटी की सीढ़ियाँ

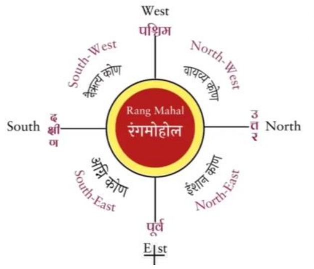

West
पश्चिम
North-West
North
South
South-West
South-East
North-East
Rang Mahal
रंगमोहोल
पूर्व
East

पश्चिम से पूर्व जब जाते है तो पहली हांस में मन्दिरों की एक ही भोम है दूसरे हांस पर दो भोम, तीसरें हांस पर 3 भोम,
हांस पर दो भोम, तीसरें हांस पर 3 भोम, इसी प्रकार 890 हांसो तक ऐसे ही शोभा बढ़ती गई है।

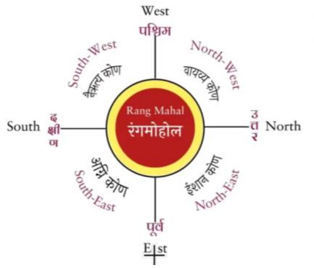
West
पश्चिम
North-West
South-West
Rang Mahal
रंगमोहोल
South
North
South-East
North-East
पूर्व
East

पूखराज पहाड़ - पचिम & उतर की धाटी की शोभा

छज्जे

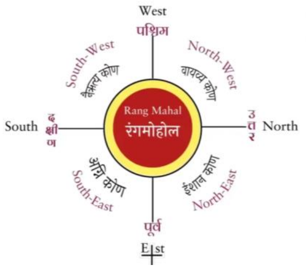

West
पश्चिम
North-West
वायव्य कोण
South-West
नैऋत्य कोण
Rang Mahal
रंगमोहोल
South
North
ईशान कोण
North-East
अग्नि कोण
South-East
पूर्व
East

पूखराज पहाड़ - दक्षिण की नहेर

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

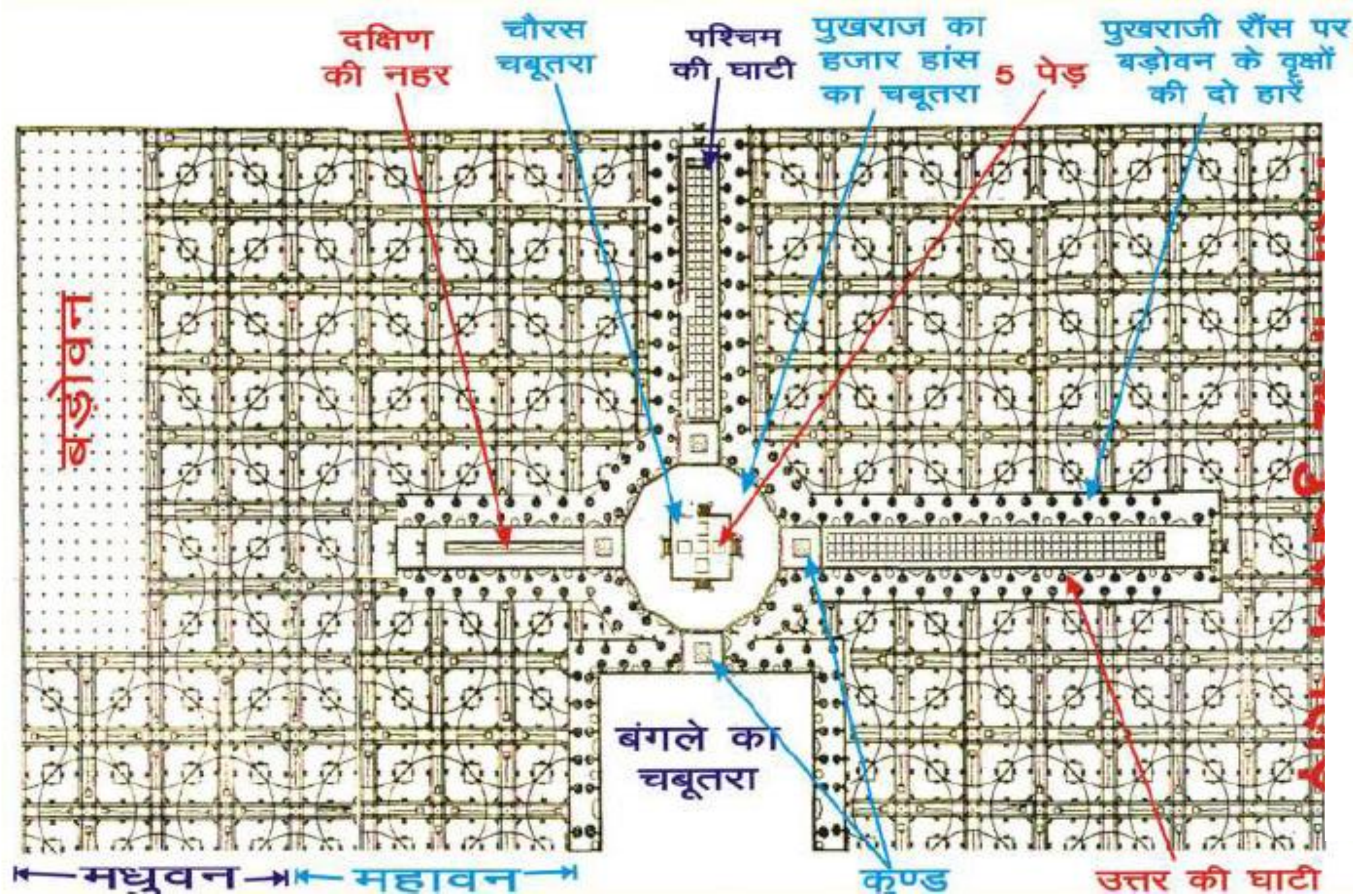

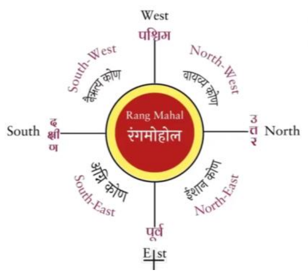

पूखराज पहाड़ - दक्षिण की नहेर

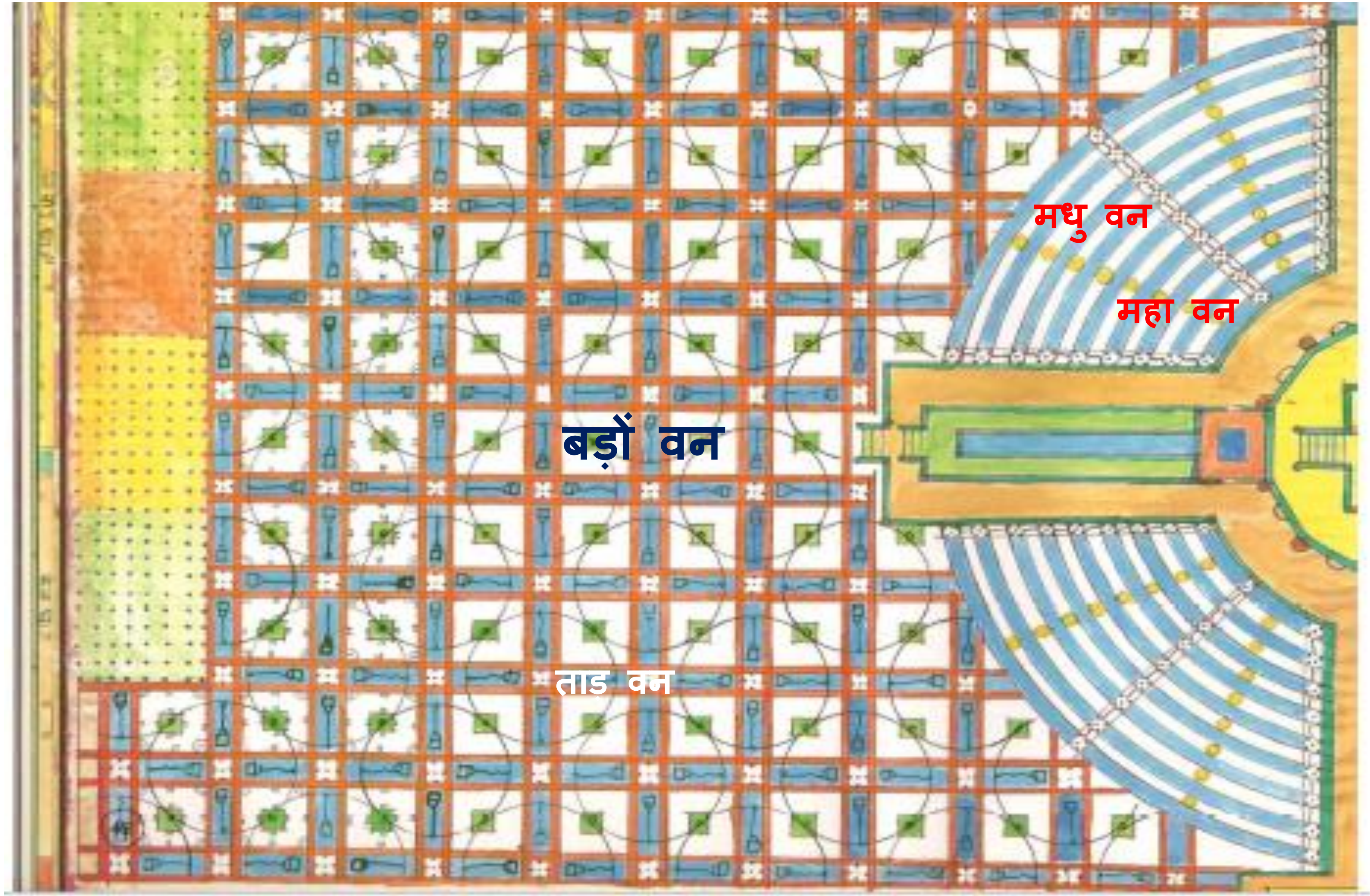

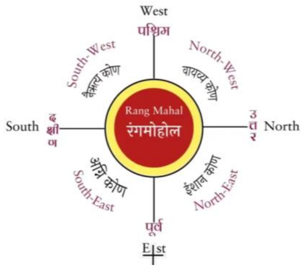

पूखराज पहाड़ - दक्षिण की नहेर

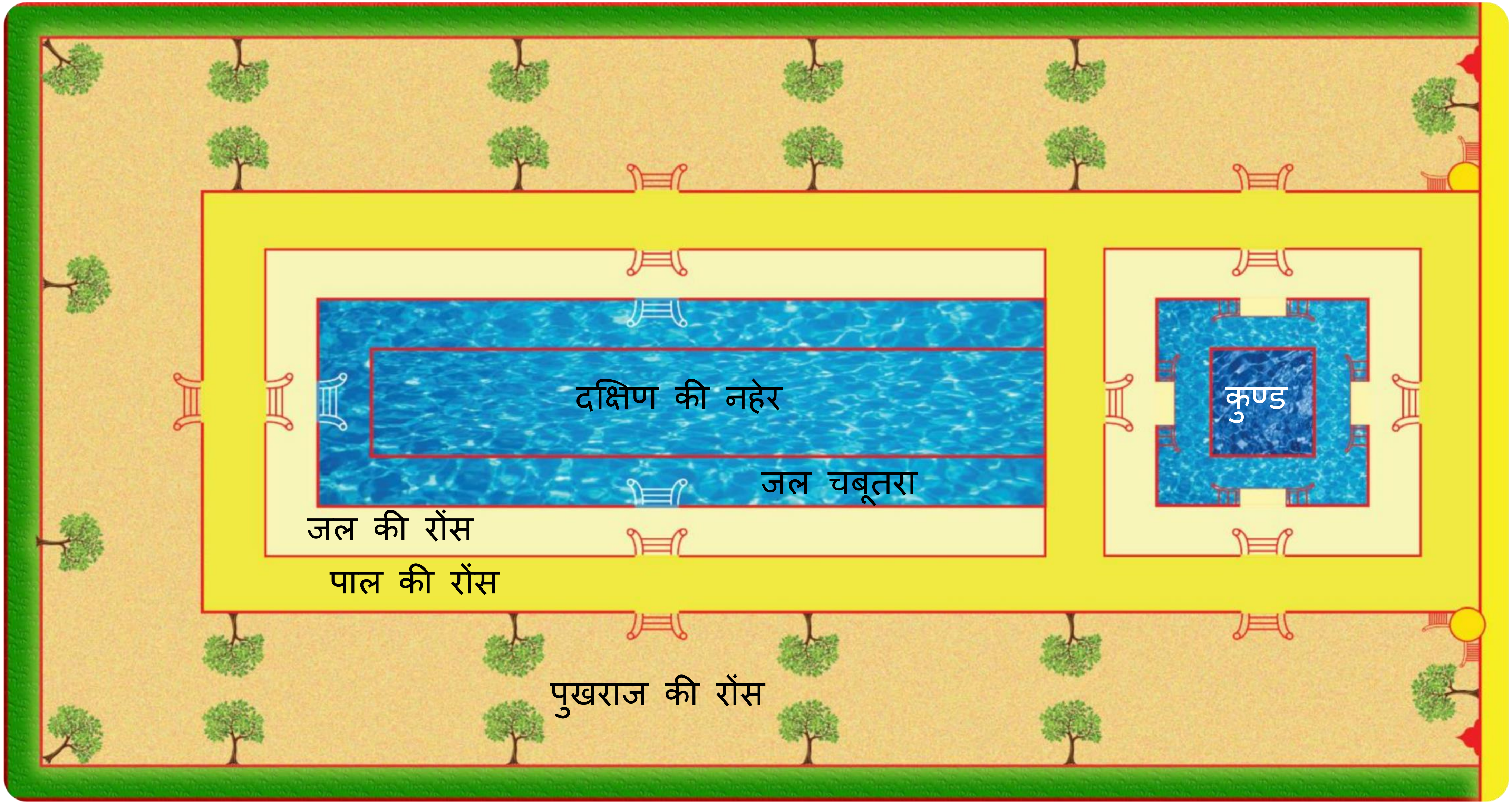

पूखराज पहाड़ - दक्षिण की नहेर

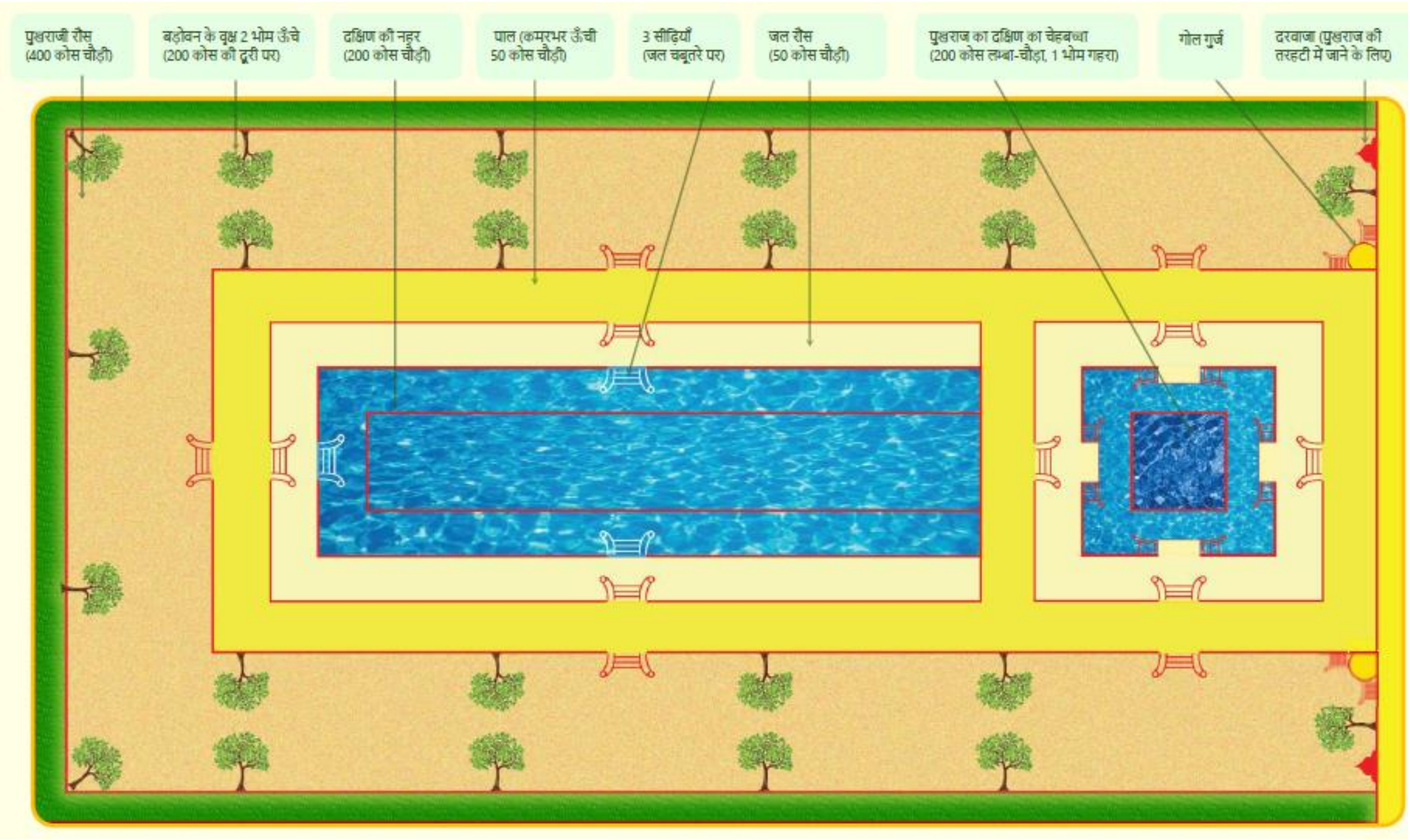

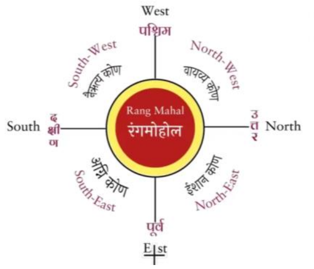

पूखराज पहाड़ - पहाड़ दक्षिण की नहेर से जल सीचण

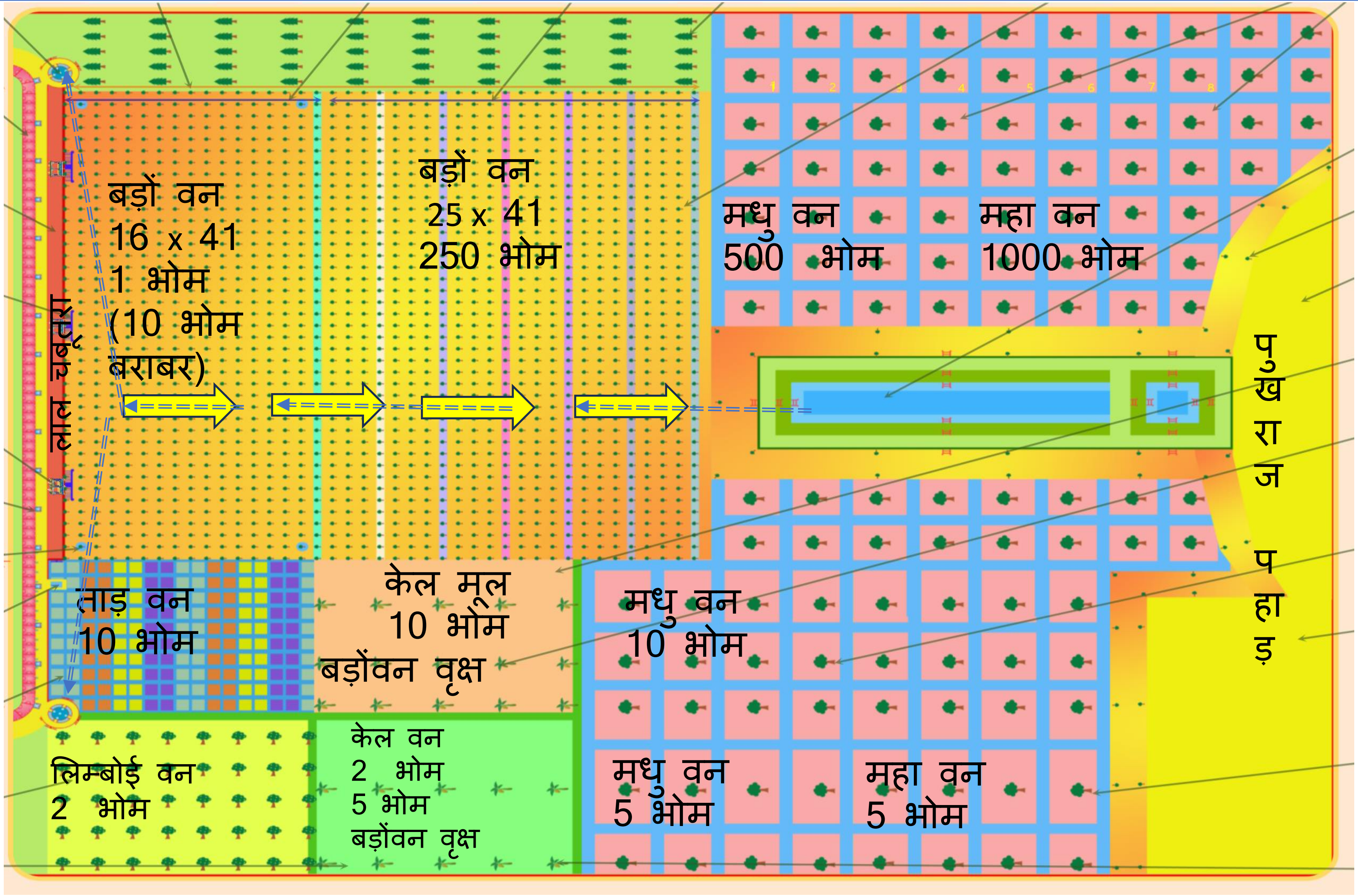

रंगमहल की उतर से पूखराज पहाड़ की शेर

पुखराज की दक्षिण की नहेर से जल सीचण

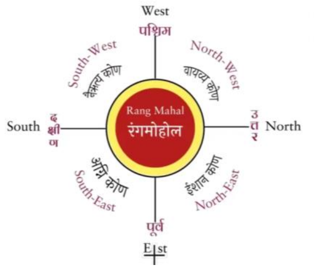

OR